



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 219] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 27, 1989/अग्रहायण 6, 1911
No. 219] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 27, 1989/AGRAHAYANA 6, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1989

सं. एफ़. 4 (5) डब्ल्यू एण्ड एम/89 :— 10.50 प्रतिशत ऋण 1999 (तीसरा निर्गम), 11.00 प्रतिशत ऋण, 2004 (तीसरा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (तीसरा निर्गम) के लिए कुल 1800 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के वास्ते 5 दिसम्बर 1989 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में या भारत सरकार के 6.00 प्रतिशत ऋण, 1989 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 5 दिसम्बर 1989 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1800 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर नकदी में

आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई व्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 1999 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1999 (तीसरा निर्गम) :

- वापसी अदायगी की तारीख — ऋण 15 मई 1999 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- निर्गम मूल्य प्रत्येक रु. 1,000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- व्याज इस ऋण की व्याज दर 5 दिसम्बर 1989 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 5 दिसम्बर 1989 से 14 मई 1990 (सहित) की अवधि के लिए व्याज 15 मई 1990

को भरा किया जायेगा तथा तत्पश्चात् व्याज छमाही आधार पर 15 नवम्बर और 15 मई को भरा किया जायेगा इस प्रकार भरा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 15 मई 2004 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.00 प्रतिशत ऋण 2004 (तीसरा निर्गम) :

(i) वापसी भरायशी की तारीख — ऋण 15 मई 2004 को सममूल्य पर वापस भरा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य — प्रत्येक रु. 1,000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) व्याज — इस ऋण की व्याज दर 5 दिसम्बर 1989 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 5 दिसम्बर 1989 से 14 मई 1990 (सहित) की अवधि के लिए व्याज 15 मई 1990 को भरा किया जायेगा और तत्पश्चात् व्याज छमाही आधार पर 15 नवम्बर और 15 मई को भरा किया जायेगा। इस प्रकार भरा किये गए व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के अधीन आयकर अधिनियम 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 15 मई 2009 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2009 (तीसरा निर्गम) :

(i) वापसी भरायशी की तारीख — ऋण 15 मई 2009 को सममूल्य पर वापस भरा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य — प्रत्येक रु. 1,000.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) व्याज — इस ऋण की व्याज दर 5 दिसम्बर 1989 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 5 दिसम्बर 1989 से 14 मई 1990 (सहित) की अवधि के लिए व्याज 15 मई 1990 को भरा किया जायेगा और तत्पश्चात् व्याज छमाही आधार पर 15 नवम्बर और 15 मई को भरा किया जायेगा। इस प्रकार भरा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. उपर्युक्त ऋणों के मामले में व्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रूप में पूर्णांकित करने के बाद भरा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के व्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को भगले रूप में पूर्णांकित किया जायेगा।

परिवर्तन की शर्तें

7. 6.00 प्रतिशत ऋण 1989 की प्रतिभूतियाँ सममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तन के लिए स्वीकार की जाएँगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जानेवाली 6.00 प्रतिशत ऋण 1989 की प्रतिभूतियों पर 6.00 प्रतिशत की दर पर 21 नवम्बर 1989 सहित उस दिन तक का व्याज नई प्रतिभूतियाँ जारी करते समय भरा किया जाएगा। इसके अलावा 13 दिन (अर्थात् 22 नवम्बर 1989 से 4 दिसम्बर 1989 तक) के लिए प्रस्तावित व्याज नयी प्रतिभूतियाँ जारी करते समय आवेदित नये ऋण की व्याज दर के अनुसार भरा किया जायेगा।

पूरा आवेदन

8. आवेदन — पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे।

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर बंबई (फोर्ट और मायबला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और विद्यन्म में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

9. व्याज भरा करने का स्थान — इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और विद्यन्म में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में व्याज भरा किया जाएगा।

10. व्याज भरा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी भरायशी उन ऋण धारकों को प्राप्त होगी जिनपर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसा दर पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिसे के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किए बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे व्याज भरा किया जाएगा।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, व्याज भरा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना व्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

11. अब जारी किये जानेवाले ऋणों पर व्याज और इसके पहले कि अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलनेवाले व्याज तथा अन्य अनु-मोचित निवेशों से मिलनेवाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80D के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

12. अब जारी किये जानेवाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

13. प्रतिभूतियाँ केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेगी।

14. ऋणों के लिए आवेदनपत्र — ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

15. आवेदनपत्र इसके माध्य संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की भरायशी की प्रेषण करता है।

16. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में या 6.00 प्रतिशत छूट, 1989 की प्रतिभूतियाँ, जो परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जा रही हैं। के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जानेवाले चेक' संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिए। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ धारक द्वारा सरकार को निम्न प्रकार अंतरित की जानी चाहिए।

- (i) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण विलेख के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके।
- (ii) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार से पृष्ठ धित किया जाए

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें”

17. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत (छूट आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा बलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मूह्ययुक्त छूट आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सकैतिक) 6 पैसे की दर पर बलाली अदा की जायेगी। बैंक वाणिज्य और सहकारी बैंक—अपने स्वयं के अभिधानों के लिए बलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

श्रीमती जानकी कठपालिया संयुक्त सचिव

बसाल की मूहर और पता

आवेदन का फार्म

मैं/हम (पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु..... (..... रुपए) के लिए
नकदी/* (..... रुपए) के सांकेतिक
चेक

मूल्य की 6.00 प्रतिशत श्रृण, 1989 की प्रतिभूतियां प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* स्टॉक प्रमाणपत्र/मेरे/हमारे.*
एस. जी. एल. खाते में जमा के रूप में के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत श्रृण, 1999 (तीसरा तिमाही)* 11.00 प्रतिशत श्रृण,
2004 (संवत्सरा तिमाही)* 11.50 प्रतिशत श्रृण, 2009 (तीसरा तिमाही)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2 मैं/हम/चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज ----- में भ्रवा किया जाए।

विशेष टिप्पणी:—इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएगी।

	आवेदक	दिनांक	
आवेदन पत्र सं.			हस्ताक्षर
"बसाली नही" मूहर			पूरा (पूरे) नाम
नकदी प्राप्त होने की तारीख			पता
चेक वसूल होने की तारीख			
विशेष बालू खाते में जमा करने की तारीख			दिनांक : विसंम्बर, 1989
जांच की गयी			
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया			
बसाली रजिस्टर में दर्ज किया गया			
मांग पत्र सं.			
प्रतिभूति सं.			
कार्ड सं.			
वाउचर पारित करने की तारीख			

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियां:— 1 परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक/को के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ
पृष्ठांकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे छिपे गए अंतरण बिलेब
पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे/करें।

2 प्रत्येक श्रृण, अपेक्षित नए श्रृण के अधिदान के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

3 यदि आवेदक का हस्ताक्षर संग्रुठे के निशान के रूप में हो तो वो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम,
व्यवसाय और पते दिए जाएं।

4 यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे स्रोत श्रृण कार्यालय
में पहले ही पंजीकृत न किए गए हों तो संलग्न किए जाएं:—

(i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के बहिर्नियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रभितियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किए गए संकल्प का प्रमाणित
प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

5 आवेदकों को, उन्हें जारी किए जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छायाही रूपान्तर के प्रेषण के लिए प्रावेश फार्म (लोक श्रृण कार्यालय में
उपलब्ध) भी भगना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, 27th November, 1989

No. F. 4(5)/W&M/89.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Third Issue), 11.00 per cent. Loan, 2004 (Third Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2009 (Third Issue) for an aggregate amount of Rs. 1800 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash or securities of Government of India 6.00 per cent. Loan, 1989 on the 5th December 1989 upto the close of Banking hours. In the event of 5th December 1989 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1800 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent. Loan, 1999 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May 1999.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 1999.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal)
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. per annum from 5th December 1989. Interest for the period from 5th December 1989 to 14th May 1990 (inclusive) will be paid on 15th May 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961

4. 11.00 per cent. Loan, 2004 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May 2004.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 2004.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent. per annum from 5th December 1989. Interest for the period from 5th December 1989 to 14th May 1990 (inclusive) will be paid on 15th May 1990 and thereafter interest

will be paid half yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent. Loan, 2009 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May 2009.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 15th May 2009.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal)
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 5th December 1989. Interest for the period from 5th December 1989 to 14th May 1990 (inclusive) will be paid on 15th May 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. The net amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

CONVERSION TERMS

7. The securities of 6.00 per cent Loan 1989 will be accepted for conversion into the new loan at par. Interest on the securities of 6.00 per cent. Loan, 1989 tendered for conversion will be paid at the rate of 6.00 per cent upto and inclusive of 21st November 1989 at the time of issue of new securities. In addition, anticipatory interest for 13 days (i.e. from 22nd November 1989 to 4th December 1990) will be paid according to the rate of interest of the new loan applied for at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

8. Applications will be received at :

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

9. Place of payment of interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

10. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

11. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

12. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

13. THE SECURITIES WILL BE ISSUED IN THE FORM OF STOCK ONLY.

14. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1,000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

15. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the time at which he desires the interest to be paid.

16. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque and/or securities of 6.00 per cent. Loan, 1989 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

- (i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.
- (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below—
‘Pay to the President of India’.

17. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,
MRS. JANAKI KATHPALIA, Jt. Secy.

**BROKER'S STAMPS WITH
ADDRESS**

FORM OF APPLICATION

I/We*
(Full Name(s) in Block Letters)

.....herewith tender
Cash*

..... for Rs. (Rupees): *Securities of
Cheque

6.00 per cent. Loan, 1989 of the nominal value of Rs. (Rupees:
and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1999 (Third Issue)* / 11.00 per cent. Loan, 2004 (Third Issue)* / 11.50 per cent.
Loan, 2009 (Third Issue)* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form
of *Stock Certificate/Credit to my/our* S.G.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at.....

N. B.:—The applicant should not write anything in
this cage. The entries will be filled in by the
Receiving Office.

	Initials	Date
Application No.
N.B. Stamp
Cash received on Cheque realised on/ Credited to Special Current Account on
Examined
Cash Applications Register posted Brokerage Register posted
Indent No.
Scrip No.
Card No.
Voucher Passed on

Signature(s).....

Name (s) in full.....
(Block Letters)

Address.....

Date the.....
of December 1989.

*Delete what is not required.

Notes:—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witness should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already re-registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—

(i) Certificate of Incorporation /Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person(s) authorised to deal in Government Securities on behalf of the Company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(5) Applications should also completed Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

